इरेडा ने सीआईपीईटी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए
इरेडा सीआईपीईटी के शैक्षणिक परिसरों की सौरीकरण के लिए तकनीकी-वित्तीय विशेषज्ञता प्रदान करेगा

नई दिल्ली, 11 मार्च, 2022

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड (इरेडा) ने आज सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीआईपीईटी) के साथ उनके परिसरों के सौरीकरण के लिए अपनी तकनीकी-वित्तीय विशेषज्ञता प्रदान करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए । ये दोनों संगठन क्रमशः नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय और रसायन और उर्वरक मंत्रालय के अधीन हैं।

इस एमओयू पर इरेडा के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी), श्री प्रदीप कुमार दास और सीआईपीईटी के महा निदेशक ,प्रो. (डॉ.) शिशिर सिन्हा द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए ।

इस समझौता ज्ञापन के तहत, इरेडा सौर पीवी या रूफटॉप सौर परियोजनाओं को स्थापित करके सीआईपीईटी को उनके कई शैक्षणिक परिसरों की सौरीकरण करने में मदद करेगा। यह परियोजना सीआईपीईटी के वाराणसी, अयोध्या (उत्तर प्रदेश) और बीदर (कर्नाटक) परिसरों में शुरू होने की सबसे अधिक संभावना है। सीआईपीईटी अपने शैक्षणिक परिसरों में सौर ऊर्जा संयंत्रों को स्थापित करके अपने बिजली की खपत को कम करने और अपने कार्बन फूटप्रिंट को कम करने में सक्षम होगा।

इस सहयोग के संबंध में बोलते हुए, इरेडा के सीएमडी, श्री प्रदीप कुमार दास ने कहा कि, "हम एक प्रमुख राष्ट्रीय संस्थान के साथ स्वच्छ ऊर्जा समाधान को अपनाने के लिए उनके अभियान में सहयोग करके खुश हैं। इस समझौते से दोनों संगठनों के अनुभव को मिलाकर और हरित ऊर्जा के माध्यम से देश के दीर्घकालिक विकास के लिए माननीय प्रधान मंत्री के विजन को आगे बढ़ाने के लिए बेहतर कार्यों में लाने की आशा है । भारत सरकार का लक्ष्य है कि अपनी ऊर्जा का 50% स्रोत अक्षय ऊर्जा स्रोतों से प्राप्त करना है, और ये साझेदारी हमें इस लक्ष्य को पूरा करने में मदद करेगी ।

आरई उद्योग में बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, इरेडा द्वारा डेढ़ साल पहले एक विशेष व्यवसाय विकास और परामर्श अनुभाग की स्थापना की थी। देश के सतत विकास के लिए परामर्श सेवाएं प्रदान करने के लिए पिछले 16 महीनों में इरेडा द्वारा हस्ताक्षरित यह आठवां समझौता ज्ञापन है । एसजेवीएन, एनएचपीसी, टैंजेडको, नीपको, बीवीएफसीएल, टीएचडीसीआईएल और जीएसएल ने हरित ऊर्जा परियोजनाओं के लिए अपनी तकनीकी-वित्तीय विशेषज्ञता को बढ़ाने के लिए इरेडा के साथ पहले ही समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं ।

आरई क्षेत्र के समग्र विकास के लिए, इरेडा ने अन्य सार्वजनिक उपक्रमों और प्राइवेट संगठनों के लिए अपनी परामर्श सेवाएं प्रदान करने की योजना बनाई है।